Drishti IAS

करेंट अफेयर्स मध्य प्रदेश

मार्च 2023

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- मध्य प्रदेश बजट 2023-24 3
- सतपुड़ा नेशनल पार्क बना बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन 4
- बृहत्तर पन्ना भू-दृश्य परिषद का गठन 5
- मध्य प्रदेश की तीन महिलाओं को मिला स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान 6
- साँची बनेगी प्रदेश की पहली सोलर सिटी 7
- धर्मपाल राष्ट्रीय सम्मान एवं पुरस्कारों की स्थापना 7
- महिलाओं के उत्थान और कल्याण हेतु लिये गए अनेक महत्त्वपूर्ण निर्णय 8
- भोपाल स्थित देश की पहली इंडोर रेंज में होगी आईएसएसएफ वर्ल्ड कप शूटिंग चैंपियनशिप 8
- मड़ीखेड़ा जल विद्युत गृह ने सर्वाधिक बिजली उत्पादन का बनाया रिकॉर्ड 9
- प्रदेश की पाँच महिलाओं को मिला 'अहिल्या सम्मान 2023' 9
- लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम के दायरे में अब 48 विभाग की 696 सेवाएँ 9
- प्रदेश में एक अप्रैल से शुरू होगी पशु एम्बुलेंस सेवा 10
- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में डिस्ट्रीब्यूशन रिफॉर्म्स समिति का पुनर्गठन 11
- मध्य प्रदेश के धार में पीएम मित्र मेगा एकीकृत टेक्सटाइल पार्क होगा स्थापित 11
- राज्यपाल ने पंडित उद्धव दास मेहता पुरस्कार प्रदान किये 11
- पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने इतिहास में सर्वाधिक ताप विद्युत उत्पादन का बनाया रिकार्ड 12
- दमोह के कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र और श्री जागेश्वर नाथ तीर्थ क्षेत्र पवित्र घोषित 13
- राष्ट्रपति ने बैगा चित्रकार जोधइया बाई बैगा को पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया 13
- ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता का परिणाम जारी 14
- संजय सरोवर सिंचाई परियोजना स्वीकृत 15
- टी.बी. केसेस में कमी लाने पर प्रदेश के 11 ज़िले पुरस्कृत 15
- रीवा के सुंदरजा आम और मुरैना की गजक को मिला जीआई टैग 16
- नामीबिया से लाई गई मादा चीता 'साशा' की हुई मृत्यु 17
- मुख्यमंत्री को कृषि मंत्री ने अवार्ड सौंपा 17
- मेपकॉस्ट और वन विभाग द्वारा वन बायोमास मैपिंग कार्य शुरू 18
- चेंटीखेड़ा, दौरी और बहुती नहर परियोजना को मिली स्वीकृति 19
- सर्वश्रेष्ठ शिल्प हाट कैटेगरी में खजुराहो का शिल्पग्राम हुआ सम्मानित 19
- स्मार्ट सिटी एक्सपो में मध्य प्रदेश की स्मार्ट सिटीज़ को मिले 16 में से 7 अवार्ड 20

नोट :

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश बजट 2023-24

चर्चा में क्यों ?

1 मार्च, 2023 को मध्य पदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने मध्य प्रदेश विधान सभा में वर्ष 2023-24 का बजट प्रस्तुत किया।

प्रमुख बिंदु

- भारत की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर की बनाने हेतु राज्य द्वारा पूजीगत व्यय को बढ़ावा देने हेतु कुल बजट का लगभग 20 प्रतिशत प्रावधान रखा गया है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 4 प्रतिशत है।
- 'आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश'- बजट- 2023-24 को आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश को दृष्टिगत रखते हुए बजट में विभिन्न योजनाएँ मिशन मोड में तैयार की गई हैं।
- 'जनता का बजट'- बजट तैयार करने हेतु जनता के सुझाव प्राप्त कर बजट में सम्मिलित करने का प्रयास किया गया है।
- वर्ष 2023-24 का बजट प्रथम बार ई-बजट के रूप में प्रस्तुत किया गया।
  - कुल विनियोग की राशि 3,14,024,84 करोड़ रुपए, जो विगत वर्ष की तुलना में 12% अधिक है। कुल शुद्ध व्यय 81.553.62 करोड़ रुपए का प्रावधान।
  - राजस्व आधिक्य 76 करोड़ रुपए।
  - सकल राज्य घरेलू उत्पाद से राजकोषीय घाटे का 02% अनुमानित।
  - अनुमानित राजस्व प्रातियाँ 2,25,709.90 करोड़ रुपए है, जिसमें राज्य के स्वयं के कर की राशि 499.98 करोड़ रुपए केंद्रीय करों में प्रदेश का हिस्सा 80,183.67 करोड़ रुपए, करेत्तर राजस्व 14,913.10 करोड़ रुपए एवं केंद्र से प्राप्त सहायता अनुदान 44,113.15 करोड़ रुपए शामिल।
  - वर्ष 2023-24 में वर्ष 2022-23 के पुनरीक्षित अनुमान की तुलना में राज्य स्वयं के कर राजस्व में 11% की वृद्धि अनुमानित।
  - वर्ष 2023-24 में वर्ष 2022-22 के पुनरीक्षित अनुमान की तुलना में राजस्व व्यय में 11% की वृद्धि अनुमानित।
  - वर्ष 2023-24 में वर्ष 2022-23 के पुनरीक्षित अनुमान की तुलना में पूंजीगत परिव्यय में लगभग 15% की वृद्धि अनुमानित।
  - अनुमानित वर्ष 2023-24 में पूंजीगत परिव्यय राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 4% अनुमानित।
  - वर्ष 2023-24 में राजस्व आधिक्य राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 03%।
  - वर्ष 2023-24 में व्याज भुगतान कुल राजस्व प्राप्तियों का 10%।

बजट के कुछ प्रमुख बिंदु

- अनुसूचित जनजाति (सब-स्कीम) हेतु 36,950.16 करोड़ रुपए।
- अनुसूचित जाति (सब-स्कीम) हेतु 260, 86.81 करोड़ रुपए।
- सरकारी प्राथमिक शालाओं की स्थापना हेतु 11406 करोड़ रुपए।
- प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु 8000 करोड़ रुपए।
- मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना हेतु 8000 करोड़ रुपए।
- जल जीवन मिशन नेशनल रूरल ड्रिंकिंग वाटर मिशन हेतु 7332 करोड़ रुपए।
- 15वें वित्त आयोग के अनुसार अपेक्षित सुधार करने पर सहायता हेतु 6935 करोड़ रुपए।

नोट :

- माध्यमिक शालाओं हेतु 6728 करोड़ रुपए।
- अटल कृषि ज्योति योजना हेतु 5520 करोड़ रुपए।
- म.प्र.वि.म. द्वारा 5 एच.पी. के कृषि पंपों/थ्रेशरों तथा एक बत्ती कनेक्शन को नि:शुल्क विद्युत प्रदाय हेतु प्रतिपूर्ति में 4775 करोड़ रुपए।
- शासकीय हाई/हायर सेकेंडरी शालाएँ हेतु 4641 करोड़ रुपए।
- 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार स्थानीय निकायों को अनुदान हेतु 4176 करोड़ रुपए।
- समग्र शिक्षा अभियान हेतु 4039 करोड़ रुपए।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम/एनआरएचएम) हेतु 3996 करोड़ रुपए।
- रीवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आर.डी.एस.एस.) हेतु 3526 करोड़ रुपए।
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना हेतु 3500 करोड़ रुपए।
- अटल गृह ज्योति योजना हेतु 3500 करोड़ रुपए।
- सी. एम. राइज हेतु 3230 करोड़ रुपए।
- मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना हेतु 3230 करोड़ रुपए।
- हाउसिंग फॉर आल हेतु 2800 करोड़ रुपए।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु 2001 करोड़ रुपए।
- सामाजिक सुरक्षा और कल्याण हेतु 1916 करोड़ रुपए।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हेतु 1826 करोड़ रुपए।
- सिंचाई एवं पेयजल योजनाओं का सौर उर्जीकरण हेतु 1356 करोड़ रुपए।
- न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम विशेष पोषण आहार योजना हेतु 1272 करोड़ रुपए।
- निवेश प्रोत्साहन योजना हेतु 1250 करोड़ रुपए।
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन हेतु 1144 करोड़ रुपए।
- आपदा प्रबंधन योजनाओं को बनाए जाने हेतु 1131 करोड़ रुपए।
- ग्रामीण सड़कों एवं अन्य ज़िला मार्गों का निर्माण/उन्नयन हेतु 1020 करोड़ रुपए।
- मुख्यमंत्री कृषक फसल उपार्जन सहायता योजना हेतु 1000 करोड़ रुपए।
- मुख्यमंत्री कौशल अप्रेंटिसशिप योजना हेतु 1000 करोड़ रुपए।

सतपुड़ा नेशनल पार्क बना बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन

चर्चा में क्यों ?

1 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सतपुड़ा नेशनल पार्क को बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन श्रेणी में इंडिया टुडे का एडिटर्स चॉइस अवार्ड मिला है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार केंद्रीय संस्कृति और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने नई दिल्ली में इंडिया टुडे टूरिज्म समिट एंड अवार्ड समारोह यह अवार्ड प्रदान किया। मध्य प्रदेश की ओर से फील्ड डायरेक्टर एल. कृष्णमूर्ति और सहायक प्रबंधक टूरिज्म बोर्ड डॉ. नीलम रावत ने अवार्ड प्राप्त किया।
- यह अवार्ड सतपुड़ा नेशनल पार्क में पर्यटकों को और अधिक सुविधाएँ विकसित करने के लिये प्रेरणा का कार्य करेगा।
- गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के होशंगाबाद ज़िले में स्थित सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान को सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के नाम से भी जाना जाता है। बाघ संरक्षण केंद्र के रूप में प्रसिद्ध यह क्षेत्र वन्य-जीव एवं वनस्पति विविधता से भी समृद्ध है।

- बाघ के अलावा यहाँ तेंदुए, भारतीय बायसन, भारतीय विशाल गिलहरी, सांभर, चीतल, हिरण, नीलगाय, लंगूर, भालू, जंगली सूअर सहित विभिन्न वन्य-जीव पाए जाते हैं।
- उद्यान में ऐतिहासिक एवं पुरातात्त्विक महत्त्व की 300 से अधिक गुफाएँ हैं। भोपाल से 210 किमी., जबलपुर से 240 किमी., नागपुर से 250 किमी. और छिंदवाड़ा से 85 किमी. सड़क मार्ग से अभयारण्य तक पहुँचना आसान है।
- अभयारण्य से 52 किमी. की दूरी पर पिपरिया निकटतम रेलवे स्टेशन और इटारसी निकटतम रेल जंक्शन है। पचमढ़ी निकटतम बस स्टैंड और अभयारण्य का प्रवेश द्वार भी है।

बृहत्तर पन्ना भू-दृश्य परिषद का गठन

चर्चा में क्यों?

01 मार्च, 2023 को जनसंपर्क विभाग, भारत सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बृहत्तर पन्ना भू-दृश्य प्रबंधन योजना के व्यवस्थित और समयबद्ध कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिये मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सभी हितधारकों के सदस्यों के साथ बृहत्तर पन्ना भू-दृश्य परिषद (जीपीएलसी) का गठन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- सूखा प्रभावित बुंदेलखंड क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक समृद्धि के लिये परिवर्तनकारी केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी) के तहत पन्ना टाइगर रिजर्व (पीटीआर) और आसपास के क्षेत्रों में वन्य जीवन और जैव विविधता के संरक्षण के लिये एक व्यापक एकीकृत भू-दृश्य प्रबंधन योजना (आईएलएमपी) तैयार की गई है।
- केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत पर्यावरण प्रबंधन योजना और एकीकृत भू-दृश्य प्रबंधन योजना के कार्यान्वयन के लिये पर्याप्त वित्तीय प्रावधान निर्धारित किये गए हैं। यह मॉडल 'विकास भी, पर्यावरण भी' के मोटो के साथ भविष्य के विकास के लिये एक खाका होगा।
- जीपीएल और परिषद का लक्ष्य एक संतुलित दृष्टिकोण के आधार पर विकास प्रक्रिया के साथ एकीकरण के माध्यम से संरक्षण के लिये 'लाभकारी' स्थिति सुनिश्चित करना है और विविध हिस्सेदारी पर विचार करना है।
- इसका व्यापक उद्देश्य प्रमुख प्रजातियों जैसे बाघ, गिद्ध और घड़ियाल के लिये आवास, संरक्षण और प्रबंधन की बेहतरी को सक्षम करना है; स्थानिक प्राथमिकता और वन पर निर्भर समुदायों की भलाई के माध्यम से समग्र जैव विविधता संरक्षण के लिये परिदृश्य को मजबूत करना; और फीडबैक लूप और अनुकूली प्रबंधन विकल्पों के संदर्भ में एकीकृत भूदृश्य प्रबंधन के तहत प्रजाति-विशिष्ट और स्थल-विशिष्ट निगरानी रणनीतियाँ प्रदान करना।

- केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी), कार्यान्वयन के लिये ली गई राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के तहत नदियों को जोड़ने वाली पहली परियोजना है, जो बार-बार सूखे की स्थिति का सामना करने वाले बुंदेलखंड क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक समृद्धि के लिये एक परिवर्तनकारी कदम साबित होगी।
- परियोजना का उद्देश्य न केवल बुंदेलखंड में जल सुरक्षा प्रदान करना है बल्कि क्षेत्र के समग्र संरक्षण और विशेष रूप से बाघ, गिद्ध और घड़ियाल जैसे परिदृश्य पर निर्भर प्रजातियों के संरक्षण को सुनिश्चित करना है।
- अनुमोदित पर्यावरण प्रबंधन योजना के अनुसार उपाय करने के अलावा, भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) ने न केवल पन्ना टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी वन्यजीव और जैव विविधता के संरक्षण के लिये एक व्यापक एकीकृत परिदृश्य प्रबंधन योजना (आईएलएमपी) तैयार की है।
- बृहत्तर पन्ना भू-दृश्य (जीपीएल) में एकीकृत भू-दृश्य प्रबंधन योजना भारत के संरक्षण इतिहास में शुरू किये जा रहे प्रमुख और अद्वितीय संरक्षण उपायों में से एक है।

मध्य प्रदेश की तीन महिलाओं को मिला स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान

चर्चा में क्यों?

4 मार्च, 2023 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हुए 'स्वच्छ सुजल शक्ति' सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मध्य प्रदेश की दो जल योद्धाओं अनिता चौधरी और गंगा राजपूत को जल संरक्षण में विशिष्ट योगदान के लिये स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान-2023 से सम्मानित किया। इनके अलावा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ग्राम सरपंच नीतू परिहार को स्वच्छता के क्षेत्र में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिये स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान-2023 से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- छिंदवाड़ा ज़िले की जलसखी अनिता चौधरी को जल जीवन मिशन में पाइप जलापूर्ति के ऑपरेशंस तथा मेंटेनेंस श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। उनके प्रयासों से ज़िले का ग्राम गढ़मऊ हर-घर-जल ग्राम घोषित हुआ है।
- छतरपुर ज़िले की जलयोद्धा गंगा राजपूत को राष्ट्रीय जल मिशन के तहत पुरस्कृत किया गया है। अपने अथक प्रयासों से उन्होंने ग्राम भोयरा की महिलाओं को जागरूक बनाकर लोकभ्रांतियों को दूर करते हुए चंदेलकालीन तालाब को जीवित करने में विशेष योगदान दिया है।

- ग्वालियर ज़िले की सरपंच नीतू परिहार को स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत पुरस्कृत किया गया। उन्होंने ग्राम पंचायत पुरा बनवार को ओडीएफ प्लस आदर्श ग्राम बनाने में असाधारण योगदान दिया है।
- कार्यक्रम में जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय जल मिशन और स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण में विभिन्न श्रेणियों में कुल 18 पुरस्कार प्रदान किये गए।

साँची बनेगी प्रदेश की पहली सोलर सिटी

चर्चा में क्यों ?

4 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने प्रदेश के रायसेन ज़िला के साँची विकासखंड के ग्राम नागौरी में साँची शहर को सोलर सिटी बनाए जाने के लिये भूमि-पूजन किया।

प्रमुख बिंदु

- लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी ने बताया कि साँची, स्तूपों और बौद्ध तीर्थ स्थल के लिये विश्व विख्यात है। अब साँची को विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति एवं बिजली आपूर्ति में आत्म-निर्भर बनाने के लिये देश की दूसरी और प्रदेश की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- उन्होंने बताया कि साँची शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिये सौर ऊर्जा का उपयोग कर विद्युत का उत्पादन किया जाएगा। नागौरी में 3 मेगावाट एवं गुलगाँव में 5 मेगावाट का सोलर प्लांट स्थापित किया जा रहा है।
- डॉ. प्रभुराम चौधरी ने बताया कि सोलर सिटी बनने से साँची की बिजली आवश्यकता की पूर्ति सौर ऊर्जा से होगी। इसके अलावा सौर स्ट्रीट लाइट, गार्डन लाइट, स्टड लाइट, हाई-मास्ट लाइट, सौर पेयजल कियोस्क, लोक परिवहन के लिये बैटरी चलित ई-रिक्शा, चार्जिंग स्टेशन, अक्षय ऊर्जा आधारित संयंत्र विंड टर्बाइन एवं पिजो इलेक्ट्रिक जनरेटर्स स्थापित किये जाएंगे।

धर्मपाल राष्ट्रीय सम्मान एवं पुरस्कारों की स्थापना

चर्चा में क्यों ?

7 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश की संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री ऊषा ठाकुर ने बताया कि प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा स्वराज संस्थान संचालनालय के अधीन धर्मपाल शोधपीठ के अंतर्गत 5 लाख रुपए का एक धर्मपाल राष्ट्रीय सम्मान एवं दो-दो लाख प्रति पुरस्कार के तीन धर्मपाल राष्ट्रीय पुरस्कार स्थापित किये जा रहे हैं।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विख्यात चिंतक, इतिहासकार एवं विचारक धर्मपाल के जन्म शताब्दी वर्ष पर यह निर्णय लिया गया है।
- प्रदेश की संस्कृति, पर्यटन और धर्मस्व मंत्री ऊषा ठाकुर ने बताया कि धर्मपाल राष्ट्रीय सम्मान में भारतीय इतिहास, शिक्षा एवं धर्मपाल के विचारों के प्रतिपादन के लिये किये गए उल्लेखनीय कार्य एवं योगदान हेतु व्यक्ति/संस्था को सम्मानित किया जाएगा।
- इसके अलावा आधुनिक भारत के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक इतिहास पर मौलिक कार्य, ऐतिहासिक दस्तावेज़ों के संरक्षण, परिरक्षण, दस्तावेज़ीकरण, अनुवाद, प्रचार-प्रसार और ग्राम स्वराज, ग्रामीण विकास, सामाजिक सरोकार एवं स्वदेशी जैसे भारतीय विचारों के क्रियान्वयन के क्षेत्र में सक्रिय व्यक्तियों एवं संस्थाओं को धर्मपाल राष्ट्रीय पुरस्कारों से पुरस्कृत किया जा सकेगा।
- ऊषा ठाकुर ने बताया कि वर्ष 2022-23 में 6 लाख रुपए की 5 सीनियर फैलोशिप तथा 4 लाख 32 हज़ार रुपए की सात जूनियर फैलोशिप भी घोषित की गई है।
- पाँच सीनियर फैलोशिप के लिये आमंत्रित प्रस्तावों में 18वीं शताब्दी का भारत, भारत और यूरोप, भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की ऐतिहासिकता, भारतीय परंपरा में समाज और राज-व्यवस्था, औपनिवेशिकता से मुक्ति और भारतीय स्वतंत्र, भारतवर्ष की सामाजिक संरचना, अंतर्संबंध और सामुदायिक संस्कृतियाँ, भारत की पंचायती व्यवस्था का इतिहास, भारत की जनपदीय शिक्षा प्रणाली, पशुचारक-संस्कृति (गोधन संस्कृति) और भारतीय अर्थतंत्र, घुमंतु (विमुक्त एवं अर्द्ध घुमंतु) समुदायों की जीवन-संस्कृति आदि विषय शामिल हैं।

नोट :

- सात जूनियर फैलोशिप के लिये आमंत्रित प्रस्तावों में मध्य भारत की स्थानिक गाथा-आख्यान परंपराएँ और वाचिक इतिहास, मध्य भारत में विज्ञान और तकनीकी कौशल परंपराएँ, मध्य भारत का भाषा परिवार और उनकी पहचान, मध्य भारत में जातीय कौशल: कला, शिल्प, विज्ञान, मध्य भारत में स्थानीय औषधीय व वैद्यकीय ज्ञान परंपरा, मध्य भारत की देशज भैषज्य ज्ञान संपदा, राष्ट्र-निर्माण में घुमंतु समुदायों का अवदान, मध्य भारत की अरण्यक जीवन-संस्कृति एवं धरोहर आदि विषय शामिल किये गए हैं।

महिलाओं के उत्थान और कल्याण हेतु लिये गए अनेक महत्त्वपूर्ण निर्णय

चर्चा में क्यों ?

8 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ट्वीट कर बताया कि प्रदेश की सभी महिलाओं के उत्थान और कल्याण हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला कर्मचारियों को 7 दिवस का अतिरिक्त आकस्मिक अवकाश दिया जाएगा, जिसे वे अपनी आवश्यकता अनुरूप उपयोग कर सकेंगी।
- उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं के बाद उच्चतर, माध्यमिक एवं कॉलेज में बेटियों को वित्तीय साक्षरता के लिये पाठ पढ़ाया जाएगा, जो महिला उन्मुखी होगा।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की तकनीकी शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत् छात्राओं को रोज़गार दिलवाने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण और जॉब फेयर आयोजित किये जाएंगे। इसके अलावा छात्राओं को डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता, अंग्रेज़ी, कम्युनिकेशन और वर्क रेडीनेस का 60 से 80 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- उन्होंने बताया कि बालिकाओं के लिये स्किल ट्रेनिंग की व्यवस्था भी की जाएगी, जिसमें हैंडलूम, कढ़ाई, पारंपरिक लोक कलाओं की ट्रेनिंग शामिल होगी।
- प्रदेश की महिला हथकरघा एवं हस्तशिल्प कारीगरों को एनआईडी और निफ्ट संस्थानों के माध्यम से आधुनिक डिज़ाइंस और उन्नत तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान कराया जाएगा।

भोपाल स्थित देश की पहली इंडोर रेंज में होगी आईएसएसएफ वर्ल्ड कप शूटिंग चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

9 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार भोपाल के बिसनखेड़ी स्थित मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में देश की पहली 83 मी.×27 मी. वातानुकूलित इंडोर रेंज में 20 से 27 मार्च तक आईएसएसएफ वर्ल्ड कप रायफल/पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप होगी।

प्रमुख बिंदु

- आईएसएसएफ वर्ल्ड कप रायफल/पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में 33 देशों के 325 खिलाड़ी एवं 75 ऑफिशियल्स शामिल होंगे।
- गौरतलब है कि हाल ही में मध्य प्रदेश में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था।
- आईएसएसएफ वर्ल्ड कप का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय रायफल महासंघ (NRAI) नई दिल्ली के तकनीकी सहयोग से किया जा रहा है। साथ ही तकनीकी सहयोग के लिये एसआईयूएस स्विट्ज़रलैंड के 4 एक्सपर्ट भी भोपाल आएंगे।
- चैंपियनशिप के लिये मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में निर्धारित मानकों के अनुसार फाइनल रेंज का निर्माण किया गया है, जिसमें रायफल और पिस्टल के सभी इवेंट के फाइनल होंगे। 10 मीटर, 25 मीटर एवं 50 मीटर की फाइनल रेंज में अत्याधुनिक स्कोर बोर्ड और टार्गेट स्थापित किये गए हैं। फाइनल रेंज में लगभग 375 दर्शकों की बैठक व्यवस्था की गई है।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी बिशनखेड़ी में 37 एकड़ क्षेत्रफल में बनी है, जो देश की सबसे अत्याधुनिक शूटिंग अकादमी है। अकादमी परिसर में छात्रावास भी बनाया गया है, जिसमें लगभग 240 खिलाड़ियों के रुकने की व्यवस्था है। छात्रावास में लाइब्रेरी, मिनी जिम, डायनिंग एरिया, मेडिटेशन हॉल, एंटरटेनमेंट ज़ोन आदि की भी व्यवस्था है।

मड़ीखेड़ा जल विद्युत गृह ने सर्वाधिक बिजली उत्पादन का बनाया रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों ?

9 मार्च, 2023 को शिवपुरी ज़िले में स्थित मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के 60 मेगावाट स्थापित क्षमता के मड़ीखेड़ा जल विद्युत गृह ने 166.30 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन कर अपनी स्थापना के बाद अभी तक का सर्वाधिक बिजली उत्पादन करने का रिकॉर्ड बनाया है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इससे पूर्व मड़ीखेड़ा जल विद्युत गृह द्वारा वित्तीय वर्ष 2011-12 में 165.86 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया गया था।
- मड़ीखेड़ा जल विद्युत गृह में 20-20 मेगावाट स्थापित क्षमता की तीन इकाइयाँ हैं। इसकी प्रथम इकाई 28 अगस्त, 2006, द्वितीय इकाई 9 सितंबर, 2006 और तृतीय इकाई 19 अगस्त, 2007 को क्रियाशील हुई थी।
- यह जल विद्युत गृह शिवपुरी ज़िले में काली सिंध नदी पर बना है। कंपनी के वार्षिक समारोह में वर्ष 2020 और वर्ष 2021 में मड़ीखेड़ा जल विद्युत गृह को सर्वश्रेष्ठ जल विद्युत गृह का अवॉर्ड प्राप्त हो चुका है।

प्रदेश की पाँच महिलाओं को मिला 'अहिल्या सम्मान 2023'

चर्चा में क्यों ?

11 मार्च, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टॉफ परफॉरमेंस (क्रिस्प) ने प्रदेश की पाँच महिलाओं को 'अहिल्या सम्मान-2023' प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- पुरस्कार प्राप्त करने वालों में क्रिकेटर सौम्या तिवारी, भरतनाट्यम नृत्यांगना और रंगमंचीय कलाकार तनिष्का हतवलने, टीवी एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे, गोंडी भित्ति चित्र कलाकार ननकुसिया श्याम और अभिनेत्री एवं गायिका विभा श्रीवास्तव शामिल रहीं। शुभांगी अत्रे कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सकीं।
- 'अहिल्या सम्मान 2023' से सम्मानित महिलाओं का परिचय
  - भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अंडर-19 क्रिकेटर सौम्या तिवारी हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल की टॉप स्कोरर रही हैं।
  - भरतनाट्यम नृत्यांगना तनिष्का हतवलने कई अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।
  - टीवी एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे छोटे पर्दे का जाना-माना चेहरा हैं।
  - 'भाभीजी घर पर हैं' सीरियल से विख्यात शुभांगी ने संघर्ष करते हुए अभिनय की दुनिया में जगह बनाई।
  - ननकुसिया श्याम ने गोंडी भित्तिचित्र के ज़रिये मध्य प्रदेश के साथ देश का दुनिया में नाम रोशन किया है।
  - अभिनेत्री एवं गायिका विभा श्रीवास्तव 60 से ज़्यादा नाटकों में अभिनय कर चुकी हैं।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा जनजातीय, लोक एवं पारंपरिक कलाओं के क्षेत्र में महिला कलाकार को सम्मानित करने के लिये राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान की स्थापना वर्ष 1996 में की गई थी।
- इस सम्मान से विभूषित कलाकार को एक लाख रुपए की राशि और प्रशस्ति पट्टिका प्रदान की जाती है।
- देवी अहिल्या सम्मान सृजनात्मक, उत्कृष्टता, दीर्घ साधना और कलाकार की वर्तमान में सृजन सक्रियता के आधार पर दिया जाता है। सम्मान दिये जाने के समय चुने गए कलाकार का सृजन सक्रिय होना अनिवार्य है।

लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम के दायरे में अब 48 विभाग की 696 सेवाएँ

चर्चा में क्यों ?

13 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के लोक सेवा प्रबंधन एवं सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में विधानसभा परिसर में हुई विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक में बताया गया कि लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम में 48 विभाग की 696 सेवाएँ दी जा रही हैं।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- लोक सेवा प्रबंधन एवं सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने बताया कि नागरिकों द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर किये गए आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। लगभग एक करोड़ 22 लाख से अधिक व्यक्तियों को सीएम हेल्पलाइन से लाभान्वित किया गया है।
- सीएम हेल्पलाइन में दर्ज 2 करोड़ शिकायतों में से 98 प्रतिशत का निराकरण किया जा चुका है। सीएम हेल्पलाइन से नागरिकों को व्हाट्सअप के माध्यम से दर्ज शिकायतों की स्थिति और योजनाओं की जानकारी देने की सुविधा भी दी जा रही है।
- सीएम जन-सेवा में नागरिकों को दैनिक जीवन में सर्वाधिक जनोपयोगी लोक सेवा गारंटी अधिनियम की सेवाएँ दी जा रही हैं। इनमें आय, मूल निवासी प्रमाण-पत्र और चालू खसरा-खतौनी, नक्शा एवं भू-अधिकार पुस्तिका की प्रतिलिपियों का प्रदाय सीएम हेल्पलाइन नंबर 181 पर प्राप्त कॉल पर किया जा रहा है।
- राज्य लोक सेवा अभिकरण के कार्यपालक निदेशक अभिजीत अग्रवाल ने बताया कि पिछले 6 माह में लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा नागरिकों को बेहतर सेवाएँ देने के लिये उल्लेखनीय कार्य किये गए हैं। प्रदेश में 230 लोक सेवा केंद्रों से आधार पंजीयन और 430 केंद्रों से आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

प्रदेश में एक अप्रैल से शुरू होगी पशु एम्बुलेंस सेवा

चर्चा में क्यों ?

15 मार्च, 2023 को प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री प्रेमसिंह पटेल की अध्यक्षता में हुई पशुपालन विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक में यह जानकारी दी गई कि प्रदेश में एक अप्रैल 2023 से पशु एम्बुलेंस सेवा शुरू हो जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- पशुपालन विभाग ने एम्बुलेंस में एक डॉक्टर, एक कंपाउंडर, एक ड्राईवर सहित कॉल-सेंटर के लिये 1238 लोगों को रोज़गार से जोड़ा है। एम्बुलेंस में सभी आवश्यक सुविधाएँ रहेंगी।
- मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने कहा कि जिन ग्राम सभाओं में गो-शालाओं का व्यवस्थित संचालन नहीं हो रहा है, वहाँ यह जिम्मेदारी एनजीओ को दे दिया जाए।
- मंत्री ने कहा कि ब्लॉक में अलग-अलग और छोटी-छोटी गो-शालाओं की जगह एक बड़ी गो-शाला में बेसहारा गायों को रखें। इससे गायों की देखभाल अच्छी होने के साथ गोबर और गो-मूत्र अधिक होने से उनकी आत्म-निर्भरता भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि 10 गो-शालाओं को जोड़कर एक गो-वंश वन विहार बनाएँ।
- बैठक में पशुपालन की विभिन्न केंद्रीय और राज्य की गो-भैंस, बकरी, कुक्कुट-पालन आदि योजनाओं की अद्यतन स्थिति पर भी चर्चा की गई। बकरी-पालन में हितग्राही को शासन द्वारा 60 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाती है। केंद्र शासन की 4 करोड़ रुपए की गो-पालन योजना में 2 करोड़ रुपए की सब्सिडी देने का प्रावधान है। साथ ही प्रदेश की आचार्य विद्यासागर योजना में 10 लाख रुपए तक का ऋण 5 गायों के लिये दिया जाता है।
- पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में 'डेयरी प्लस योजना' विदिशा, रायसेन और सीहोर में लागू की गई है। इसमें अनुसूचित जाति-जनजाति को 75 प्रतिशत और सामान्य को 50 प्रतिशत का अनुदान दिया जाता है। विशेष पिछड़ी जनजातियों बैगा, भारिया, सहरिया को 90 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है।
- पशुपालन मंत्री ने बताया कि प्रदेश में उच्च नस्ल की बछियों की संख्या बढ़ाने के लिये ब्लॉक स्तर पर नि:शुल्क टीके उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे 90 प्रतिशत बछियों का जन्म होगा और अनावश्यक रूप से नर बछड़ों की संख्या नहीं बढ़ेगी। इसके अलावा उच्च नस्ल की अधिक दूध देने वाली गायों के भ्रूण प्रत्यारोपण से भी अच्छी गायों की संख्या बढ़ाई जा रही है।
- एमपीसीडीसी द्वारा प्रदेश में रोज 7 लाख साँची दूध के पैकेट का वितरण होता है। लगभग 6 हज़ार 800 समितियों से संकलित दूध और उसके उत्पाद प्रदेश में 1100 मिल्क पार्लर, 513 मिल्क बूथ और 5400 प्रायवेट एजेंसियों से घर-घर पहुँचते हैं।
- बैठक में बताया गया कि पड़ोसी राज्य राजस्थान में लंपी बीमारी से लगभग 70 हज़ार गायों की मृत्यु के बावजूद सतर्कता के चलते मध्य प्रदेश में केवल 696 मृत्यु दर्ज की गई। लंपी बीमारी से बचाव के लिये गायों को लगाए गए 37 लाख 13 हज़ार से अधिक टीकों का इसमें बड़ा योगदान है।

नोट :

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में डिस्ट्रीब्यूशन रिफॉर्म्स समिति का पुनर्गठन

चर्चा में क्यों?

16 मार्च, 2023 को राज्य शासन ने केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के निर्देशानुसार परिणाम आधारित वितरण क्षेत्र योजना संबंधी 'डिस्ट्रीब्यूशन रिफॉर्म्स समिति'का पुनर्गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया है।

प्रमुख बिंदु

- अपर मुख्य सचिव वन, पंचायत एवं ग्रामीण, जल-संसाधन, वित्त, प्रमुख सचिव, ऊर्जा, नगरीय विकास एवं आवास, राजस्व और पर्यावरण को सदस्य एवं प्रबंध संचालक एम.पी. पॉवर मैनेजमेंट कंपनी को सदस्य एवं संयोजक तथा प्रबंध संचालक म.प्र. पूर्व/मध्य/पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को स्थायी आंमत्रित सदस्य बनाया गया है।
- समिति द्वारा राज्य स्तर पर योजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, गुणवत्ता की समीक्षा तथा राज्य मंत्रि-परिषद को अनुशंसा करना एवं केंद्रीय विद्युत मंत्रालय द्वारा गठित मॉनीटरिंग कमेटी के अनुमोदन के लिये विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पर अनुशंसा की जाएगी।

मध्य प्रदेश के धार में पीएम मित्र मेगा एकीकृत टेक्सटाइल पार्क होगा स्थापित

चर्चा में क्यों?

17 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगाँव ने बताया कि केंद्र सरकार ने देश के 7 राज्यों में पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क को मंजूरी दी है जिसमें से एक मध्य प्रदेश के धार ज़िले में स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- मेक इन इंडिया को बढ़ावा देते हुए केंद्र सरकार ने देश के 7 राज्यों में पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क को मंजूरी दी है। पीएम मित्रा मेगा टेक्सटाइल पार्क तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में स्थापित किये जाएंगे।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बारे में ट्वीट करते हुए कहा है कि PM MITRA मेगा टेक्सटाइल पार्क 5F (फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन) विजन के अनुरूप कपड़ा क्षेत्र को बढ़ावा देगा।
- पीएम मोदी ने इसे मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए कहा कि पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क कपड़ा क्षेत्र के लिये अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा प्रदान करेगा, करोड़ों का निवेश आकर्षित करेगा और लाखों रोज़गार पैदा करेगा।
- औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगाँव ने कहा है कि 5F विजन से विदेशों तक हम अपने कपड़ा उद्योग का विस्तार कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया में पहले खर्च बढ़ता था और समय की बर्बादी भी होती थी, लेकिन अब एक ही जगह टेक्सटाइल पार्क होने पर इस पर रोक लगेगी।
- पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क के जरिये कपड़ा संबंधी संपूर्ण कार्य यानी कपड़ा तैयार करने से लेकर उसके एक्सपोर्ट तक के सभी कार्य एक ही स्थान पर हो सकेंगे। इसमें लगभग 4425 करोड़ रुपए का निवेश होगा।
- यह निर्णय टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने और रोज़गार के अनेक अवसर सृजित करने में मददगार साबित होगा। इससे 14 लाख रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।

राज्यपाल ने पंडित उद्धव दास मेहता पुरस्कार प्रदान किये

चर्चा में क्यों?

17 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने पंडित उद्धवदास मेहता वैद्य शास्त्री आयुर्वेद सेवा सम्मान पुरस्कार वितरण समारोह में वर्ष 2017 से वर्ष 2021 तक कुल पाँच वर्षों के पुरस्कार प्रदान किये।

प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2017 के लिये पंडित उद्धवदास मेहता वैद्य शास्त्री आयुर्वेद सेवा सम्मान पुरस्कार जयपुर के स्वर्गीय माधव सिंह बघेल को दिया गया जिसे उनके पुत्र अनिकेत बघेल ने प्राप्त किया।

नोट :

- वर्ष 2018 के लिये यह पुरस्कार शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय उज्जैन को दिया गया जिसे संस्थान के प्राचार्य जे.पी. चौरसिया ने प्राप्त किया।
- वर्ष 2019 का पुरस्कार डॉ. रामविलास सोहगौरा को दिया गया।
- वर्ष 2020 का पुरस्कार रानी दुल्लैया आयुर्वेद पी.जी. महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल को दिया गया जिसे आर. डी. मेमोरियल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन हेमंत चौहान ने प्राप्त किया।
- वर्ष 2021 का पुरस्कार आरोग्य भारती, लोक न्यास भोपाल को दिया गया जिसे राष्ट्रीय सचिव सुनील जोशी ने प्राप्त किया।
- पुरस्कार में एक लाख रुपए की राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।
- गौरतलब है कि राज्य में प्रत्येक वर्ष यह सम्मान मध्य प्रदेश के उन व्यक्ति अथवा संस्था को दिया जाता है, जिन्होंने आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो, साथ ही जिन संस्थाओं एवं व्यक्तियों ने आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार किये हों।

पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने इतिहास में सर्वाधिक ताप विद्युत उत्पादन का बनाया रिकार्ड

चर्चा में क्यों ?

20 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के ताप विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 19 मार्च तक 26326.7 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर पॉवर जनरेटिंग कंपनी के इतिहास में सर्वाधिक ताप विद्युत उत्पादन का नया रिकार्ड बनाया गया है।

प्रमुख बिंदु

- कंपनी के ताप गृहों द्वारा किसी एक वित्तीय वर्ष में किये गए विद्युत उत्पादन में यह अभी तक का सर्वाधिक विद्युत उत्पादन है। इसके पूर्व पावर जनरेटिंग कंपनी ताप विद्युत गृहों द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-19 में 86 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया गया था।
- कंपनी ताप विद्युत इकाइयों की विशिष्ट तेल खपत माह फरवरी 23 तक 69 मिलीलीटर प्रति इकाई रही, जो अभी तक की न्यूनतम खपत है। ताप विद्युत इकाइयों का माह फरवरी तक हीट रेट 2486 किलो कैलारी प्रति इकाई रहा, जो अभी तक का न्यूनतम है।
- कंपनी की 12 ताप विद्युत इकाई ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 100 दिन या इससे अधिक दिनों तक सतत् क्रिघ्याशील रहने का रिकार्ड बनाया है।

दमोह के कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र और श्री जागेश्वर नाथ तीर्थ क्षेत्र पवित्र घोषित

चर्चा में क्यों?

21 मार्च, 2023 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में ज़िला दमोह के कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र और श्री जागेश्वर नाथ तीर्थ क्षेत्र को पवित्र घोषित करने का निर्णय लिया गया।

प्रमुख बिंदु

- कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र के लिये ग्राम पंचायत कुंडलपुर और श्री जागेश्वर नाथ तीर्थ क्षेत्र के लिये ग्राम पंचायत बांदकपुर के क्षेत्र को पवित्र क्षेत्र घोषित किया गया है।
- इसके अतिरिक्त मंत्रि-परिषद की बैठक में कई अन्य महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गए-
- मंत्रि-परिषद ने कलाओं से समृद्ध शिक्षा 'अनुगूँज' अंतर्गत विद्यार्थियों की सांस्कृतिक गतिविधियों के लिये 10 करोड़ रुपए व्यय करने एवं योजना की स्वीकृति दी।
- 'अनुगूंज' के प्रभाव को देखते हुए इसे प्रदेश स्तर, ज़िला स्तर एवं हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रारूप जारी किया गया था। इसमें शिक्षा की गुणवत्ता और पाठ्य सहगामी गतिविधियों (Extra-Curricular Activities) पर बहुत अधिक बल दिया गया है।
- स्टीम (S.T.E.A.M.) शिक्षा पद्धति के (Way Forward) के रूप में तथा शिक्षा को कला के माध्यम से समृद्ध करने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22 में भोपाल स्तर पर एक उच्च गुणवत्तायुक्त सांस्कृतिक एवं थियेटर कार्यक्रम 'अनुगूँज' आयोजित किया गया था।
- मंत्रि-परिषद ने संस्कृति विभाग द्वारा कलेक्टर ग्वालियर के माध्यम से मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा को हिन्दी भवन के निर्माण कार्य के लिये 7 करोड़ रुपए का अनुदान दिये जाने का निर्णय लिया। वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम अनुपूरक अनुमान अंतर्गत नवीन योजना '9904-हिन्दी भवन निर्माण हेतु सहायता' के लिये बजटीय प्रावधान 2 करोड़ रुपए मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा को दिये जायेंगे।
- मंत्रि-परिषद ने ज़िला निवाड़ी में नवीन अनुविभाग पृथ्वीपुर बनाने की स्वीकृति दी। नवीन अनुभाग में तहसील पृथ्वीपुर का संपूर्ण क्षेत्र समाविष्ट होगा। साथ ही मूल अनुविभाग निवाड़ी में तहसील निवाड़ी एवं तहसील ओरछा का संपूर्ण क्षेत्र समाविष्ट होगा।
- मंत्रि-परिषद ने ज़िला भिंड में नवीन तहसील अमायन के गठन का निर्णय लिया। वर्तमान तहसील मेहगाँव के 64 ग्राम का अपवर्जन कर नवीन प्रस्तावित तहसील अमायन में समाविष्ट करते हुए नई तहसील बनेगी।
- मंत्रि-परिषद ने ज़िला सिंगरौली में नवीन तहसील दुधमनिया गठित करने का निर्णय लिया। नवीन तहसील में तहसील चितरंगी के कुल 34 पटवारी हल्के समाविष्ट होंगे।
- मंत्रि-परिषद ने ज़िला सागर में नवीन तहसील बांदरी के गठन की स्वीकृति दी। नवीन तहसील मे तहसील मालथौन के कुल 28 हल्के समाविष्ट होंगे।
- मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 184 स्वास्थ्य संस्थाओं (10 सिविल अस्पताल, 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 11 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 157 उप स्वास्थ्य केंद्र) की स्थापना/ उन्नयन का अनुमोदन प्रदान किया गया।
- मंत्रि-परिषद् द्वारा मध्य प्रदेश जल निगम द्वारा 9 नवीन परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों के गठन की स्वीकृति दी गई है। साथ ही वर्तमान में कार्यरत 15 एवं गठित होने वाली 9 नवीन परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों के लिये विभिन्न पदों की भी स्वीकृति दी गई।

राष्ट्रपति ने बैगा चित्रकार जोधइया बाई बैगा को पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया

चर्चा में क्यों?

22 मार्च, 2023 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कला क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिये मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध बैगा चित्रकार जोधइया बाई बैगा को वर्ष 2023 के पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति भवन में पद्म पुरस्कारों के नागरिक अलंकरण समारोह के प्रथम चरण में यह पुरस्कार प्रदान किया गया।
- जनजातीय कला को संरक्षित कर अंतर्राष्ट्रीय पहचान प्रदान करने के लिये उमरिया की बैगा जनजातीय कलाकार जोधइया बाई को कला के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया गया है। जोधइया बाई बैगा दशकों से अपनी चित्रकला से पारंपरिक बैगा जनजातीय संस्कृति और दर्शन को लोकप्रिय बना रही हैं।
- गौरतलब है कि 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में असाधारण कार्य के लये जोधइया बाई बैगा को 'नारी शक्ति पुरस्कार'से सम्मानित किया था।
- उल्लेखनीय है कि 25 जनवरी, 2023 को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वर्ष 2023 के लिये देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों 'पद्म पुरस्कारों'की घोषणा की गई थी। इनमें जोधइया बाई बैगा सहित प्रदेश के चार विभूतियों को पद्म श्री अवार्ड के लिये चुना गया था।
- विदित है कि देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में पद्म पुरस्कार शामिल है। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री के रूप में प्रदान किये जाते हैं। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुरस्कारों की घोषणा की जाती है।
- यह पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल, सिविल सेवा आदि जैसे विभिन्न विषयों/गतिविधियों के क्षेत्रों में दिये जाते हैं।
- असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म विभूषण', उच्च स्तर की विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म भूषण'और किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म श्री'से सम्मानित किया जाता है।
- ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक समारोहों में प्रदान किये जाते हैं जो आमतौर पर हर साल मार्च/अप्रैल के आसपास राष्ट्रपति भवन में आयोजित किये जाते हैं।

ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता का परिणाम जारी

चर्चा में क्यों?

23 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा गत वर्ष देश में चलाए गए ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता का परिणाम प्रकाशित हुआ है, जिसमें देश भर से शामिल 260 ज़िलों में भोपाल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता की सूची के प्रथम 50 ज़िलों में मध्य प्रदेश के 10 ज़िले शामिल हैं। इसमें ग्वालियर पाँचवें तथा उज्जैन आठवें स्थान पर है।
- आगामी 7 जून को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा प्रतियोगिता के अग्रणी ज़िलों के नोडल अधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा।
- गौरतलब है कि 'मिलावट से मुक्ति' अभियान से प्रदेश में अधिक संख्या में नमूना संग्रहण, खाद्य अनुज्ञप्ति की संख्या में वृद्धि के लिये शिविर लगाना, खाद्य सुरक्षा के लिये जागरूकता अभियान जैसे कार्य निरंतर किये जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता में ज़िलों ने सराहनीय उपलब्धि प्राप्त की है।
- विदित है कि आमजन के खान-पान की आदतों में सकारात्मक बदलाव तथा खाद्य प्रतिष्ठानों में आत्म-अनुपालन की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक मई 2022 से 15 नवंबर, 2022 तक चलाए गए देशव्यापी ईट राइट चैलेंज की विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया।
- प्रतियोगिता में अनुज्ञप्ति/पंजीयन की संख्या बढ़ाना, नमूना संग्रहण, मिलेट रेसिपी एवं फोर्टिफिकेशन प्रदर्शन, ईट राइट केम्पस/स्टेशन प्रमाणन, भोग प्रमाणन, हाईजीन रेटिंग एवं नवाचारी गतिविधियों को पृथक्-पृथक् अंक प्रदान किये गए।
- चैलेंज के अंतर्गत भोपाल के कलेक्टर द्वारा प्रारंभ किये गए 'न्यूज पेपर में दे खाना, तो बोलो ना-ना', उज्जैन ज़िले के 'दोने में दो ना' जैसे नवाचारों को भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा सराहा गया।
- इस दौरान देश में प्रथम ईट राइट मिलेट मेला भी भोपाल में आयोजित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट (श्री अन्न) वर्ष के दौरान प्रदेश में अनेक स्थानों पर मिलेट मेले लगाए जा रहे हैं।

संजय सरोवर सिंचाई परियोजना स्वीकृत

चर्चा में क्यों?

23 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार केंद्रीय जल आयोग ने मध्य प्रदेश के बालाघाट एवं सिवनी ज़िले से जुड़ी महत्त्वाकांक्षी संजय सरोवर सिंचाई परियोजना के प्रस्तावों के प्रथम चरण की स्वीकृति दे दी है। जल आयोग ने परियोजना की साध्यता का अनुमोदन किया है।

प्रमुख बिंदु

- प्रथम चरण की स्वीकृति से बालाघाट और सिवनी ज़िले के करीब 300 गाँव को लाभ होगा। इनमें बालाघाट ज़िले के 117 गाँव हैं। साथ ही दोनों ज़िलों की 11 हज़ार हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि में सिंचाई हो सकेगी।
- संजय सरोवर सिंचाई योजना में 357 करोड़ रुपए की मंज़ूरी दी गई है। इससे नहरों के सीमेंटीकरण, सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण से संबंधित कार्य किये जाएंगे।
- उल्लेखनीय है कि प्रदेश के परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की बाईं तट नहर प्रणाली संजय सरोवर परियोजना का एक भाग है। इस नहर प्रणाली का निर्माण वर्ष 1998 से वर्ष 2005 तक किया गया था। वर्तमान में इस नहर प्रणाली की मुख्य नहर, वितरण नहरें एवं उप वितरण नहरें अब तक क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, इनकी मरम्मत करवाई जाएगी।

टी.बी. केसेस में कमी लाने पर प्रदेश के 11 ज़िले पुरस्कृत

चर्चा में क्यों?

24 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार टी.बी. केसेस में कमी लाने पर प्रदेश के 11 ज़िलों को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुए वन वर्ल्ड टी.बी. समिट में पुरस्कृत किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश के इन 11 ज़िलों में धार, मंदसौर और नीमच ज़िले को 60 प्रतिशत से अधिक कमी लाने के लक्ष्य को प्राप्त करने पर स्वर्ण-पदक, शाजापुर, बैतूल, इंदौर और देवास ज़िले को टी.बी. केसेस में 40 प्रतिशत कमी लाने पर रजत पदक तथा नरसिंहपुर, मुरैना, होशंगाबाद और मण्डला ज़िले को 20 प्रतिशत कमी लाने पर कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

नोट :

- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 के लिये प्रदेश से 30 ज़िलों ने नामांकन किया था।
- विदित है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 तक क्षय उन्मूलन का लक्ष्य रखा है तथा वर्ष 2015 को आधार वर्ष मानते हुए टी.बी. के मामलों में सराहनीय कमी लाने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विभिन्न श्रेणियों में सर्टिफिकेट, पदक एवं प्रोत्साहन राशि से पुरस्कृत करने के लिये सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू की गई है।

रीवा के सुंदरजा आम और मुरैना की गजक को मिला जीआई टैग

चर्चा में क्यों?

26 मार्च, 2023 को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि मध्य प्रदेश के रीवा ज़िले के सुंदरजा आम और मुरैना की गज़क को GI टैग प्रदान किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि सुंदरजा आम मध्य प्रदेश के रीवा ज़िले के गोविंदगढ़ कस्बे में बहुतायत में होता है। फलों के राजा आम की यह एक विशेष प्रजाति है। सुंदरजा सिर्फ भारत के लोगों की ही पसंद नहीं है बल्कि विदेशों में भी इसकी चर्चा हैं। सुंदरजा आम की खासियत यह है कि यह बिना रेशे वाला होता है और इसमें पाई जाने वाली शर्करा का प्रकार कुछ ऐसा है कि इसे शुगर के मरीज भी खा सकते हैं।
- विंध्य क्षेत्र की शान समझे जाने वाले सुंदरजा आम का उत्पादन पहले रीवा ज़िले के गोविंदगढ़ किले के बगीचों में होता था लेकिन कालांतर में गोविंदगढ़ इलाके के साथ ही रीवा शहर से लगे कुठुलिया फल अनुसंधान केंद्र में भी बहुतायत मात्रा में इसकी खेती की जाती है।
- हालाँकि गोविंदगढ़ के बागों में होने वाला सुंदरजा आम हल्का सफेद रंग लिये होता है जबकि रीवा के कुठुलिया फल अनुसंधान केंद्र में उत्पादित होने वाला सुंदरजा आम हल्का हरा होता है।
- सुंदरजा आम की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वर्ष 1968 में इस आम के नाम पर डाक टिकट जारी किया गया था।
- वहीं, मुरैना का गज़क एक प्रकार की मिठाई है। अगर गज़क के साथ मुरैना का नाम जुड़ जाए तो लोग इसे क्वालिटी और स्वाद के लिये सर्वश्रेष्ठ मानते हैं। इसीलिये मुरैना की गज़क का स्वाद पूरे देश में प्रसिद्ध है।
- गज़क बनाने का काम मुरैना का मुख्य उद्योग है। मुरैना जैसे छोटे ज़िले में लगभग गज़क की एक हज़ार से अधिक दुकानें हैं। अगर गुड़ और तिल से बनी मिठाइयों की बात आए तो गज़क को श्रेष्ठ माना जाता है। इस गज़क का इस्तेमाल लोग पूरे साल करते हैं, लेकिन सर्दियों में इसे खाना गुणकारी माना जाता है।
- विदित है कि हाल ही में दिल्ली में प्रगति मैदान में लगी फूड फेस्टिवल में मुरैना के गज़क को इटली, दुबई, ब्रिटेन से आए डेलीगेट्स ने काफी पसंद किया था।
- गौरतलब है कि किसी भी रीजन का जो क्षेत्रीय उत्पाद होता है, उससे उस क्षेत्र की पहचान होती है। उस उत्पाद की ख्याति जब देश-दुनिया में फैलती है तो उसे प्रमाणित करने के लिये एक प्रक्रिया होती है, जिसे 'जीआई टैग' यानी जियोग्राफिकल इंडीकेटर (भौगोलिक संकेतक) कहते हैं। किसी क्षेत्र के किसी खास उत्पाद के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया वर्ष 2003 में शुरू की गई थी। इसलिये जीआई टैग को 2003 में शुरू किया गया। भारत में सबसे पहला जीआई टैग 2004 में पश्चिम बंगाल की Darjeeling Tea (दार्जिलिंग चाय) को दिया गया था।
- किसी भी क्षेत्र की विशेष वस्तु जो उस क्षेत्र के अलावा कहीं और नहीं पाई जाए, उसे विशेष पहचान दिलाने के लिये जीआई टैग दिया जाता है। जीआई टैग उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी किया जाता है, जो वाणिज्य मंत्रालय के तहत संचालित होता है।
- उल्लेखनीय है कि सुंदरजा आम और मुरैना की गज़क के साथ ही छत्तीसगढ़ के धमतरी ज़िले के नागरी दूबराज चावल को भी जीआई टैग मिला है।

नामीबिया से लाई गई मादा चीता 'साशा' की हुई मृत्यु

चर्चा में क्यों ?

27 मार्च, 2023 को प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-प्राणी जे.एस. चौहान ने बताया कि नामीबिया से कूनो राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ी गई मादा चीता 'साशा' के गुर्दों में संक्रमण होने की वजह से मृत्यु हो गई है। इस मादा चीता के गुर्दों में संक्रमण भारत आने के पहले से ही था।

प्रमुख बिंदु

- प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-प्राणी जे.एस. चौहान ने बताया कि चीता के स्वास्थ्य की देख-रेख के लिये तैनात पशु चिकित्सक द्वारा मादा चीता के स्वास्थ्य परीक्षण में उपचार की आवश्यकता पाई गई थी। फलस्वरूप उसी दिन उसे क्वारेंटाइन बाड़े में लाया गया।
- चीता का स्वास्थ्य परीक्षण वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में स्थित लैब में अत्याधुनिक मशीनों से किया गया। खून के नमूनों की जाँच से यह जानकारी प्राप्त हुई कि साशा के गुर्दों में संक्रमण है।
- जे.एस. चौहान ने बताया कि भारतीय वन्य जीव-संरक्षण देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और कूनों राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा चीता कंजर्वेशन फाउडेंशन, नामीबिया से 'साशा' की ट्रीटमेंट हिस्ट्री प्राप्त होने पर ज्ञात हुआ कि 15 अगस्त, 2022 को नामीबिया में खून के नमूने की अंतिम जाँच में भी क्रिएटिनिन का स्तर 400 से अधिक पाया गया था, जिससे यह पुष्टि हुई कि साशा को गुर्दे की बीमारी भारत आने के पहले से ही थी।
- 22 जनवरी, 2023 से 'साशा' की मृत्यु के समय तक कूनो राष्ट्रीय उद्यान के सभी वन्य प्राणी चिकित्सकों और नामीबियाई विशेषज्ञ डॉ. इलाई वॉकर द्वारा लगातार दिन-रात उपचार किया गया।
- नामीबिया से लाए गए शेष 7 चीता, जिनमें 3 नर और 1 मादा स्वच्छंद विचरण के लिये खुले वन क्षेत्र में छोड़े गए हैं, पूरी तरह से स्वस्थ एवं सक्रिय रहकर शिकार कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका से लाए सभी 12 चीता वर्तमान में क्वारेंटाइन बाड़ों में स्वस्थ और सक्रिय है।

विदित है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर, 2022 को श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए गए आठ चीतों को छोड़ा था।

मुख्यमंत्री को कृषि मंत्री ने अवार्ड सौंपा

चर्चा में क्यों ?

28 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने मध्य प्रदेश को फार्म गेट एप के लिये दिल्ली में मिला अवार्ड मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपा।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश को कंप्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा राज्य सरकारों की प्रोजेक्ट केटेगरी में फॉर्म गेट एप के लिये 20वाँ सीएसआई-एसआईजी ई-गर्वेनेंस अवार्ड-2022 प्रदान किया गया है।
- यह एप एंड्रॉयड बेस्ड एप्लीकेशन है। इसे किसान अपने एंड्राइड मोबाइल पर निशुल्क डाउनलोड कर सकता है। इससे किसान अपनी मर्जी अनुसार अपनी उपज को अपने घर, खलिहान, गोदाम से विक्रय में सक्षम हुआ है।
- किसानों को अपनी उपज को मंडी में लाकर विक्रय करने के साथ-साथ घर बैठे अपनी उपज अपने दाम पर विक्रय की आजादी मिली है। मध्य प्रदेश ऐसा करने वाला देश में इकलौता राज्य है। उक्त प्रणाली को भारत सरकार द्वारा बहुत सराहा गया है।
- मध्य प्रदेश की कृषि उपज मंडी समितियों में संचालित एम.पी. फार्म गेट एप प्रदेश की 8 मंडियों भोपाल, हरदा, इंदौर, देवास, गुना, सागर, जबलपुर एवं सतना में 1 अगस्त, 2022 से पायलट के रूप में एंड्राइड एप के माध्यम से प्रारंभ किया गया। साथ ही 27 सितंबर, 2022 से उज्जैन मंडी को पायलट योजना में शामिल किया गया। एम.पी. फार्म गेट एप का मध्य प्रदेश की समस्त 259 कृषि उपज मंडी समितियों में संचालन किया जा रहा है।
- एमपी फार्म गेट एप का उपयोग कर 12981 कृषकों द्वारा 64 लाख क्विंटल विभिन्न कृषि उपज विक्रय किया गया है। फार्म गेट से किसानों से सीधा क्रय, पूर्व में सौदा पत्रक पोर्टल के माध्यम से अप्रैल 2021 में किया गया था। धीरे-धीरे इस एप का प्रयोग ज्यादातर किसानों द्वारा किया जाने लगा है। अब तक इस एप का उपयोग कर मंडी प्रांगण में 16 प्रतिशत तक की आवक हो चुकी है।

मेपकॉस्ट और वन विभाग द्वारा वन बायोमास मैपिंग कार्य शुरू

चर्चा में क्यों ?

28 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जीडी बैरागी ने बताया कि विज्ञान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए नवाचार के क्रम में मेपकॉस्ट ने वन विभाग के सहयोग से फॉरेस्ट बायोमास की मैपिंग का कार्य शुरू किया है।

प्रमुख बिंदु

- खास बात यह है कि मेपकास्ट द्वारा की जाने वाली इस मैपिंग से मिले परिणाम का केलीब्रेशन और वेलीडेशन (मिलान) जनवरी 2024 में लांच होने वाले निसार सेटेलाइट डाटा से किया जाएगा। यह सेटेलाइट, नासा और इसरो के संयुक्त तत्वावधान में शुरू किये गए नासा इसरो सिंथेटिक अर्पचर राडार (निसार) प्रोजेक्ट का हिस्सा है।
- वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जीडी बैरागी ने बताया कि सेटेलाइट में मुख्य रूप से दो बैंड एल और एस भेजे जा रहे हैं। एक हेक्टेयर के प्लॉट से प्राप्त किये गए डेटा का मिलान सेटेलाइट के एल बैंड सेंसर के माध्यम से किया जायेगा। यह मध्य प्रदेश के लिये वन वायोमास आकलन के लिये उपयोगी होगा। अब बायोमास की मैपिंग सेटेलाइट के माध्यम से भी जाँच सकेंगे।
- डॉ. बैरागी ने बताया कि यह काम मेपकास्ट और इसरो की टीम द्वारा किया जा रहा है। फॉरेस्ट बायोमास की मैपिंग के लिये नर्मदापुरम ज़िले को चिन्हित किया गया है। यहाँ एक हेक्टेयर के 10 प्लाट पर स्थायी तौर पर मैपिंग का कार्य किया जाएगा। स्थायी प्लॉट्स पर वर्ष में एक बार भौतिक रूप से बायोमास मैपिंग का कार्य किया जाएगा। इसमें पेड़ की ऊँचाई, मोटाई, शाखाओं की गिनती आदि को नापकर बायोमास निकाला जाएगा।
- डॉ. बैरागी ने बताया कि इस परियोजना से प्राप्त परिणाम से सेटेलाइट से वन वायोमास की मेपिंग की जा सकेगी, जिसका उपयोग वन और पर्यावरण-संरक्षण में होगा।

चेंटीखेड़ा, दौरी और बहुती नहर परियोजना को मिली स्वीकृति

चर्चा में क्यों ?

28 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश मंत्री परिषद की बैठक में जल संसाधन विभाग की चेंटीखेड़ा वृहद् सिंचाई परियोजना को मंजूर किया गया। वहीं वृहद् परियोजना नियंत्रण मंडल की 119वीं बैठक में दौरी सागर मध्यम परियोजना और बहुती नहर परियोजना का शेष निर्माण कार्य को मंजूरी प्रदान की गई।

प्रमुख बिंदु

- जल संसाधन विभाग की चेंटीखेड़ा, दौरी और बहुती नहर परियोजनाओं से प्रदेश में 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का निर्माण होगा।
- चेंटीखेड़ा वृहद् सिंचाई परियोजना : श्योपुर ज़िले में चेंटीखेड़ा वृहद् सिंचाई परियोजना की अनुमानित लागत 539 करोड़ रुपए है। योजना के अंतर्गत 67.88 एमसीएम के मिट्टी के बांध निर्माण एवं पाईप नहर का निर्माण किया जाना है। परियोजना से 15 हज़ार 300 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जा सकेगी।
- दौरी सागर मध्यम् परियोजना : सतना में प्रस्तावित दौरी सागर मध्यम् परियोजना की अनुमानित लागत 175 करोड़ रुपए है। परियोजना के अंतर्गत जलाशय निर्माण एवं पाईप नहर प्रणाली का निर्माण किया जाएगा। 36 माह की अवधि में पूरी होने वाली परियोजना से सतना ज़िले के लगभग 7200 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।
- बहुती नहर परियोजना : सतना ज़िले में बहुती नहर परियोजना का शेष निर्माण कार्य किया जाना है। बहुती नहर प्रणाली बाणसागर जलाशय से निकली है, जिससे रीवा एवं सतना ज़िले के 65 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित किया जा सकेगा। परियोजना की अनुमानित लागत 351 करोड़ 48 लाख 80 हज़ार रुपए है।

सर्वश्रेष्ठ शिल्प हाट कैटेगरी में खजुराहो का शिल्पग्राम हुआ सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

29 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश की लोक-कला और शिल्प के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से खजुराहो में निर्मित 'शिल्पग्राम'को केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार 'स्वदेश दर्शन योजना'में शिल्पग्राम को सर्वश्रेष्ठ शिल्प हाट/स्मारिका शॉप कैटेगरी में रनर अप के रूप में चयनित किया गया है।

- केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित होटल अशोक में चिंतन शिविर में केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड विवेक श्रोत्रिय को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया।
- प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि 'शिल्पग्राम'संस्कृति, लोक-कला और शिल्प के संरक्षण एवं शिल्पकारों के प्रोत्साहन के लिये प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा शिल्पग्राम को सराहा जाना हमें कला और संस्कृति के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिये नित नवाचार करने के लिये प्रेरित करेगा।

स्मार्ट सिटी एक्सपो में मध्य प्रदेश की स्मार्ट सिटीज़ को मिले 16 में से 7 अवार्ड

चर्चा में क्यों?

27 से 29 मार्च, 2023 को नई दिल्ली में हुए 8वें स्मार्ट सिटी इंडिया-2023 एक्सपो में कुल 16 केटेगरी में से मध्य प्रदेश की स्मार्ट सिटीज़ को 7 केटेगरी में अवार्ड मिले हैं।

प्रमुख बिंदु

- राज्य के नगरीय प्रशासन और विकास आयुक्त भरत यादव ने बताया कि स्मार्ट सिटी इंदौर और जबलपुर को 2-2 और भोपाल, सागर एवं उज्जैन को एक-एक अवार्ड मिला।
- स्मार्ट सिटी इंदौर को बेस्ट स्टार्टअप और बेस्ट वाटर मेनेजमेंट केटेगरी, जबलपुर को गवर्नेंस एवं इकॉनामी (311 एप) और सिटी लीडर (बेस्ट स्मार्ट सिटी सीईओ) केटेगरी में अवार्ड मिला है।
- इसी तरह स्मार्ट सिटी भोपाल को स्मार्ट पार्किंग केटेगरी, सागर को क्लीन सिटी केटेगरी और उज्जैन को उज्जैन महाकाल महालोक के लिये विशेष अवार्ड प्राप्त हुआ है।
- उल्लेखनीय है कि अवार्ड के लिये 16 केटेगरी में नॉमिनेशन जनवरी से फरवरी 2023 तक लिये गए।
- नॉमिनेशन केटेगरी में गवर्नेंस एंड इकोनॉमी अवार्ड, स्मार्ट अर्बन मोबिलिटी, बेस्ट वाटर मेनेजमेंट, बेस्ट सिटी लीडर, बेस्ट हेल्थ केयर इनीशिएटिव, क्लीन सिटी, डिजिटल सिटी, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, सेफ सिटी, स्मार्ट सिटी ऑफ द ईयर, स्मार्ट एनर्जी प्रोजेक्ट, स्मार्ट वेस्ट डिस्पोजल, स्पेशल केटेगरी, बेस्ट स्टार्टअप इनिशिएटिव, स्मार्ट पार्किंग इनिशिएटिव और पीपीपी इनिशिएटिव केटेगरी शामिल हैं।

नोट :

The Vision